हाशिये की आवाज - 2009

दिसम्बर- 2009

- भारतीय सम्प्रदाय, साम्प्रदायिकता और राजनीतिक अठखेलियां
- साम्प्रदायिक के विरूद्ध शांति और सद्‌भावना के बढ़ते कदम
- साम्प्रदायिक सद्‌भाव और हमारी सामाजिक साझा संस्कति
- मैं और मेरा बंजारा समाज
- आदिवासियों में कला के प्रति समर्पण बरकरार
- साम्प्रदायिकता

नवम्बर - 2009

- बदलते परिवेश में बढ़ते द्वन्द्व : सामाजिक चंगाई के प्रयास
- द्वन्द्व, वार्तालाप और सामाजिक चंगाई
- आदिवासियों की पारम्परिक संस्कति का आइना और विकास की नई चेतना
- एक ही है मार्क्स का सर्वहारा और विवेकानंद का शूद्र
- हजारीबाग जिले की आदिवासी महिलाएं एवं मानवाधिकारा
- डयन बताकर महिला को मानव–मल खिलाया...मानवता हुई शर्मसार
- क्रान्तिकारी वीरांगना अमर शहीद कालीबाई भील

अक्टूबर - 2009

- आरक्षण नीति : अवधारणा, परिप्रेक्ष्य तथा औचित्य
- संवैधानिक संरक्षण और निजी क्षेत्र में आरक्षण
- आरक्षण का आर्थिक आधाार असंवैधानिक
- गोरकन पर फिर एक नजर
- अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजातियों की जनगणना
- सामंती बर्बरता का शिकार : पाारसमल मेघवाल
- महाराष्ट के आदिवासी : समाज, जीवन और समस्या
- स्वतंत्र महिला व्यक्तित्व पर वर्चस्व बरकरार

सितम्बर - 2009

- पर्यावरण संरक्षण : हमारा नैतिक उतरदायित्व
- नगरों में आदिवासी और जनगणना 2011
- जनगणना 2011 और आदिवासी हित कॉलम
- सवाल है बिहार में आदिवासियों की सुरक्षा का
- सामाजिक अन्तर्विरोध...विकास की अवधारणाएं
- उच्च शिक्षा में दलित प्रतिनिधित्व

अगस्त - 2009

- आदिवासी अधिकारा एवं अस्मिता
- आदिवासी नीतियां, निर्णय और संकल्प
- स्वतंत्र भारत में नक्सलवाद और शोषित जन
- अहिंसा के देश में हिंसा के पुजारी
- आर्थिक शोषण का चक्रव्यूह
- संघर्ष एक गंवार पिता का

जुलाई - 2009

- 'मानवाधिकार : दलित और आदिवासी के आइने से'
- विद्रोह क्या मानवाधिकार नहीं?
- फिर उठे...मानवाधिकार के बुनियादी सवाल
- भारतीय आदिवासी समाज : दशा एवं दिशा
- फिर लहराया हिन्दी अखबारों ने अपना परचम
- प्रेम दिवाना सुअर चराए
- नाटक करने की सजा
- तिरस्कता

जून - 2009

- केन्द्र सरकार और केन्द्रीय बजट
- नई सरकार, केन्द्रीय बजट और हाशिये के लोग
- स्वतंत्र भारत का प्रथम बजट भारतीय पार्लियामेन्ट में पेश
- ब्याज मुक्त अर्थ–व्यवस्था की व्यावहारिक परिकल्पना
- अधिकारी और वन अधिकार निहित करने की प्रक्रिया
- संविधान के बुनियादी उसूल

मई - 2009

- 'मजदूर और मजबूरियां'
- दीगर कामगारों की मजबूरियां और मजदूरी अधिनियम
- भारत में लोकतंत्र के टूटते स्तम्भ
- झारखण्ड में नरेगा महाघोटाला
- नवोदित दलित सवर्ण और जनान्दोलन, पिछले अंक का शेष भाग
- बालिका बधू की परम्परा बरकरार
- आगे का संघर्ष, विधि–विधान

अप्रैल - 2009

- 14 अप्रैल, डॉ. अम्बेडकर दिवस पर विशेष
- डॉ. अम्बेडकर और वोट की कसौटियां
- जनता का चुनावी घोषणा–पत्र
- दलित–आदिवासियों का आर्थिक विकास एवं उपलब्धियां
- नवोदित दलित सवर्ण और जनान्दोलन
- सफाई कर्मचारी...हिंसात्मक प्रहार है मानव–मल लादना
- प्लेसमेन्ट एजेन्सियां : घरेलू कामगारों की मण्डी?

मार्च - 2009

- अन्तर्राष्टीय महिला दिवस फिर नाकाम क्यों?
- भारत की अद्भुत सांस्कतिक विरासत जिस पर पश्चिमी संस्कति का खतरा
- वैश्वीकरण की दौड़ में महिलाएं
- मुण्डा आत्माभिमान पर यह प्रहार कैसा?
- संवैधानिक प्रावधान और दलित महिलाओं की दशा
- अधिकारी और वन अधिकार निहित करने की प्रक्रिया
- आदिवासी बेटियों का पैतक सम्पति पर अधिकार
- आदिवासी महिला को दोहरा अधिकार क्यों?
- कषि का विकास एवं दलित महिलाए

फरवरी - 2009

- सरकार के वायदों पर सवालिया निशान
- संप्रग सरकार के साक्षा कार्यक्रम...लॉलीपॉप
- म. ज्यो. फुले के कुछ विचारणीय तथ्य
- मैलिक अधिकार एवं मानव जीवन असुरक्षित
- चुनाव के पहले चुप्पी...फिर सरकारी गाज़
- बीड़ियां लपेटते हाथों की त्रासदी...एक विश्लेषण
- गोरकन पर एक नजर, एक नई खोज़

जनवरी - 2009

- भारतीय प्रजातंत्र और जन–भागीदारी
- जनतंत्र पर हावी होता राजनीति तंत्र
- मजहब ने क्या सिखाया है हमें?
- बांग्लादेश में दलितों की स्थिति
- अनुसूचित जनजाति...अधिनियम 2006
- आतंकवाद : दोनों तरफ है आग बराबर लगी हुई
- अमेरिका के सर्वोच्च पद पर ओबामा